

गाजा: यह युद्ध नहीं है

भाषा कभी भी तटस्थ नहीं होती। हमारे द्वारा उपयोग किए जाने वाले शब्द यह तय करते हैं कि दुनिया क्या देखती है और वह क्या सहन करने को तैयार है। इजरायल के गाजा में चल रहे अभियान को “युद्ध” कहना एकतरफा विनाशकारी अभियान को वैध संघर्ष के रूप में छिपाना है। हर कानूनी और नैतिक मापदंड के अनुसार, जो हो रहा है वह युद्ध नहीं, बल्कि **घेराबंदी में फंसी नागरिक आबादी के खिलाफ युद्ध अपराधों की एक श्रृंखला** है, जो नरसंहार के अपराध में परिणति होती है।

युद्ध लड़ाकों के बीच लड़े जाते हैं, जो सगाई के नियमों द्वारा शासित होते हैं और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के अधीन होते हैं। हालांकि, गाजा के पास इजरायल की जबरदस्त ताकत का मुकाबला करने के लिए कोई सेना नहीं है। 2007 से घेराबंदी के तहत - और 2023 से विनाशकारी वृद्धि के साथ - जो सामने आया है, वह विश्व के सबसे उन्नत हथियारों के साथ लोगों की जीवित रहने की क्षमता का व्यवस्थित विनाश है।

यह निबंध यह प्रदर्शित करेगा कि गाजा को युद्ध क्यों नहीं कहा जा सकता: पहला, युद्ध और लड़ाकू की परिभाषा को स्पष्ट करके; दूसरा, गाजा पर हुए विनाश के पैमाने को दस्तावेज करके; तीसरा, इजरायल की सैन्य शक्ति और इसके बाहरी पुनःआपूर्ति के विशाल असंतुलन को उजागर करके; चौथा, घेराबंदी को विनाश के हथियार के रूप में विश्लेषण करके; पांचवां, **नरसंहार संधि** को लागू करके; और अंत में, अत्याचारों के सामने भाषा के महत्व पर जोर देकर।

1. युद्ध क्या माना जाता है?

जिनेवा सम्मेलन और प्रथागत अंतरराष्ट्रीय कानून युद्धों को संगठित लड़ाकों के बीच सशस्त्र संघर्ष के रूप में परिभाषित करते हैं। एक **लड़ाकू** वह व्यक्ति है जिसे कानूनी रूप से लड़ने का अधिकार है - आमतौर पर किसी राज्य की सशस्त्र सेनाओं के सदस्य या जिम्मेदार कमान संरचना के तहत संगठित सशस्त्र समूह। लड़ाकों को युद्ध में निशाना बनाया जा सकता है, लेकिन यदि उन्हें युद्धबंदी के रूप में पकड़ा जाता है, तो उन्हें सुरक्षा का अधिकार है। इसके विपरीत, नागरिकों को कभी भी सीधे निशाना नहीं बनाया जा सकता।

यह भेद शैक्षिक नहीं है - यह युद्ध के कानूनों की आधारशिला है।

गाजा इन मानदंडों को पूरा नहीं करता। इसके पास कोई स्थायी सेना, नौसेना या वायुसेना नहीं है। प्रतिरोध समूह मौजूद हैं, लेकिन वे विखंडित, खराब रूप से सुसज्जित और इजरायल की बेजोड़ सैन्य क्षमता के सामने बौने हैं। मारे गए लोगों में से अधिकांश नागरिक हैं। इसे युद्ध कहना इसलिए एक श्रेणीगत त्रुटि है: युद्ध का ढांचा लड़ाकों की समानता मानता है, लेकिन गाजा में हम देखते हैं **पृथ्वी पर सबसे उन्नत सेनाओं में से एक निहत्थी और घेराबंदी वाली आबादी पर हमला कर रही है**।

2. गाजा का विनाश नागरिक मृत्यु और चोटें

सितंबर 2025 तक:

- **आधिकारिक स्वास्थ्य मंत्रालय का आंकड़ा** 63,600 से अधिक मौतें दर्ज करता है, जिसमें अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं।
- **इजरायली खुफिया डेटा** जो अगस्त 2025 में लीक हुआ, ने दिखाया कि **83% मृत लोग नागरिक थे** - यहां तक कि IDF के अपने मानकों के अनुसार।
- विशेषज्ञों का अनुमान है कि **वास्तविक मृत्यु संख्या आधिकारिक आंकड़े से 3-15 गुना अधिक हो सकती है**।
- कम से कम **आधा मिलियन लोग घायल हुए हैं**, जिनमें से कई को जीवन बदल देने वाली बाधाएं, विशेष रूप से बच्चों में, हुई हैं।

आवास और विस्थापन

2025 के मध्य तक, गाजा में **92% घर** क्षतिग्रस्त या नष्ट हो चुके थे, जिससे लगभग पूरी आबादी विस्थापित हो गई। परिवार मलबे के बीच तिरपाल और टेंट के नीचे जीवित रह रहे हैं। गाजा शहर और खान यूनिस जैसे शहर बंजर भूमि में बदल गए हैं।

पानी और स्वच्छता

- **सभी छह अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र** नष्ट हो चुके हैं। अब अशुद्ध अपशिष्ट जल सीधे भूमध्य सागर में बह रहा है, जिससे पारिस्थितिक और स्वास्थ्य आपदा हो रही है।
- **85% अलवणीकरण सुविधाएं** या तो नष्ट हो चुकी हैं या बिजली और ईंधन के बिना काम नहीं कर रही हैं। परिवारों को प्रति व्यक्ति प्रतिदिन **3 लीटर से कम असुरक्षित पानी** मिलता है, जो मानवीय जीवित रहने के न्यूनतम से बहुत कम है।
- जलजनित रोगों का प्रकोप व्यापक है, खासकर बच्चों में।

भोजन और कृषि

- **80% से अधिक कृषि भूमि, बगीचे और ग्रीनहाउस** नष्ट हो चुके हैं।
- उत्तरी गाजा में अकाल की स्थिति है। सहायता काफिलों को बार-बार रोका या निशाना बनाया गया है।
- भूख को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। अस्पतालों और शरणार्थी शिविरों में भूख से मरते बच्चों की तस्वीरें वैश्विक विवेक को झकझोर रही हैं।

स्वास्थ्य सेवा

- अस्पतालों पर व्यवस्थित रूप से हमले हुए हैं। पहले मौजूद 36 अस्पतालों में से केवल 10-15 आंशिक रूप से कार्यशील हैं।
- **प्रसूति वार्ड नष्ट**, सर्जरी के लिए कोई संवेदनाहारी नहीं, दर्द निवारण के बिना अंग-विच्छेद, और डायलिसिस या कैंसर उपचार के लिए कोई आपूर्ति नहीं।
- 1,000 से अधिक **डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिक और एम्बुलेंस ड्राइवर मारे गए हैं**, जिससे गाजा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए दुनिया का सबसे खतरनाक स्थान बन गया है।

शिक्षा और भावी पीढ़ियां

- स्कूल, विश्वविद्यालय और संयुक्त राष्ट्र के आश्रय स्थल बमबारी के शिकार हुए हैं।
- गाजा के बच्चे - आबादी का आधा से अधिक - न केवल अपने घर और परिवार खो चुके हैं, बल्कि शिक्षा और भविष्य का वादा भी।

संचयी प्रभाव एक पूरे समाज की अस्तित्व की क्षमता को विघटित करना है।

3. इजरायल की जबरदस्त सैन्य शक्ति

कर्मचारी

इजरायल जनसंख्या के सापेक्ष दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे परिष्कृत सेनाओं में से एक बनाए रखता है:

- **170,000 सक्रिय ड्यूटी, 465,000 रिजर्व, और 35,000 अर्धसैनिक कर्मचारी** - कुल मिलाकर लगभग **670,000 सैनिक** जो लामबंदी के लिए तैयार हैं।

वायु शक्ति

- **45 F-35I "अदिर" स्टील्थ फाइटर**, जो अब तक के सबसे उन्नत विमानों में से कुछ हैं।

- **174 F-16** और **66 F-15**, जो सटीक हमले और वायु श्रेष्ठता दोनों में सक्षम हैं।
- टोही विमान, हवाई ईंधन भरने वाले टैंकर, और विस्तारित मिशन के लिए AWACS।
- ड्रोन का एक विशाल बेड़ा (हेरॉन, हर्म्स, इटान), जो निगरानी और सटीक हमलों दोनों के लिए उपयोग किया जाता है।

जमीनी बल

- सैकड़ों **मर्कवा मुख्य युद्ध टैंक** (मार्क 3 और 4)।
- हजारों बख्तरबंद कर्मचारी वाहक, जिनमें नामर और अखज़रित शामिल हैं।
- सटीक तोपखाना, रॉकेट लांचर, और शहरी विध्वंस के लिए बख्तरबंद इंजीनियरिंग वाहन।

नौसेना बल और परमाणु निवारक

- जर्मन निर्मित **डॉल्फिन-क्लास पनडुब्बियां**, जिनके बारे में माना जाता है कि वे परमाणु-सक्षम क्रूज मिसाइलों से लैस हैं, जो इजरायल को दूसरी हड़ताल की क्षमता प्रदान करती हैं।
- कोरवेट्स, मिसाइल नौकाओं और सहायता जहाजों के साथ एक आधुनिक नौसेना।

परमाणु शस्त्रागार

- इजरायल अस्पष्टता की नीति बनाए रखता है, लेकिन व्यापक रूप से माना जाता है कि उसके पास **80-200 परमाणु हथियार** हैं, जो विमानों, बैलिस्टिक मिसाइलों और पनडुब्बियों द्वारा वितरित किए जा सकते हैं।
- इससे इजरायल मध्य पूर्व में एकमात्र परमाणु शक्ति बन जाता है।

बाहरी पुनःआपूर्ति

- **संयुक्त राज्य अमेरिका** वार्षिक रूप से अरबों की सैन्य सहायता, निरंतर गोला-बारूद की शिपमेंट, और उन्नत विमान प्रदान करता है।
- **जर्मनी** पनडुब्बियां, युद्धपोत, वाहन इंजन, और सटीक गोला-बारूद प्रदान करता है, अक्सर सब्सिडी लागत के साथ।
- जून 2025 में, **संयुक्त राज्य अमेरिका और जर्मनी से 14 कार्गो विमान** ने नए सैन्य आपूर्ति प्रदान किए।

इस बेजोड़ शस्त्रागार के सामने, गाजा के पास कोई टैंक, कोई लड़ाकू विमान, कोई नौसेना और कोई परमाणु निवारक नहीं है। असमानता पूर्ण है।

4. विनाश के हथियार के रूप में घेराबंदी

2007 से, गाजा ने नाकाबंदी सहन की है - इतिहास की सबसे लंबी घेराबंदी। अक्टूबर 2023 से, यह पूरी तरह से नाकाबंदी में बदल गई है।

- अस्पतालों के लिए कोई बिजली नहीं।
- सीमा पर भोजन और दवाएं रोक दी गईं।
- ईंधन और पुनर्निर्माण सामग्री पर प्रतिबंध।
- मानवीय काफिलों को बाधित या हमला किया गया।

पारंपरिक घेराबंदी का उद्देश्य विरोधी सेना को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर करना है। गाजा की घेराबंदी का उद्देश्य नागरिक जीवन को नष्ट करना है।

5. नरसंहार, युद्ध नहीं

1948 की नरसंहार संधि नरसंहार को उन कृत्यों के रूप में परिभाषित करती है जो किसी राष्ट्रीय, जातीय, नस्लीय या धार्मिक समूह को पूरी तरह या आंशिक रूप से नष्ट करने के इरादे से किए जाते हैं। इनमें शामिल हैं:

1. **समूह के सदस्यों की हत्या** - दसियों हजार फिलिस्तीनियों, मुख्य रूप से महिलाओं और बच्चों की हत्या।
2. **गंभीर शारीरिक या मानसिक क्षति पहुंचाना** - बड़े पैमाने पर अंग-विच्छेद, आघात, भुखमरी, अनुपचारित बीमारियां।
3. **जीवन की ऐसी परिस्थितियां लागू करना जो नष्ट करने के लिए गणना की गई हों** - घरों, खेतों, पानी, स्वास्थ्य सेवा और आश्रय का विनाश।
4. **जन्म को रोकने के लिए उपाय लागू करना** - भुखमरी, चिकित्सा पतन और मातृ देखभाल का विनाश प्रजनन को बाधित करता है।
5. **बच्चों का जबरन स्थानांतरण** - उद्देश्यपूर्ण रूप से, बच्चों को सामूहिक कब्रों में भेजना अगली पीढ़ी का उन्मूलन प्राप्त करता है।

यह अटकल नहीं है। अंतरराष्ट्रीय नरसंहार विद्वानों का संघ (IAGS), एमनेस्टी इंटरनेशनल, मेडिसिन्स सैंस फ्रंटियर्स, और इजरायली मानवाधिकार समूह जैसे बी'त्सेलेम ने सभी ने गाजा में इजरायल की कार्रवाइयों को नरसंहार घोषित किया है।

6. भाषा क्यों मायने रखती है

इसे युद्ध कहना न केवल गलत है - यह सह-अपराधी है। युद्ध का अर्थ है दो पक्ष जो सगाई के नियमों के तहत लड़ रहे हैं। लेकिन गाजा कोई युद्ध का मैदान नहीं है। यह एक सशस्त्र व्यक्ति के निहत्थे बच्चे पर हमला करने जैसा है। कोई इसे "लड़ाई" नहीं कहेगा।

गाजा को युद्ध कहते रहना अत्याचारों को स्वच्छ करना, नरसंहार को सामान्य करना और पीड़ितों के साथ विश्वासघात करना है।

निष्कर्ष

गाजा में इजरायल की कार्रवाइयां युद्ध नहीं हैं। वे घेराबंदी में फंसी नागरिक आबादी के खिलाफ युद्ध अपराधों की एक श्रृंखला हैं, जो दुनिया की सबसे उन्नत सेनाओं में से एक द्वारा समर्थित और इसके सहयोगियों द्वारा निरंतर पुनःआपूर्ति की जाती हैं। यह अभियान नरसंहार की कानूनी परिभाषा को पूरा करता है और युद्ध की किसी भी विश्वसनीय समझ को पार करता है।

यह युद्ध नहीं है। यह नरसंहार है - एक विनाशकारी युद्ध।

संदर्भ

- अंतरराष्ट्रीय नरसंहार विद्वानों का संघ, **गाजा पर संकल्प**, 2025
- एमनेस्टी इंटरनेशनल, मेडिसिन्स सैंस फ्रंटियर्स, बी'त्सेलेम - नरसंहार पर बयान
- गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय, संयुक्त राष्ट्र OCHA - पीड़ितों पर आधिकारिक अपडेट
- नागरिक मौतों पर इजरायली सैन्य डेटा
- **लैंसेट** अध्ययन गाजा में मौतों पर
- संयुक्त राष्ट्र OCHA, **मानवीय स्थिति अपडेट**
- अंतरराष्ट्रीय बचाव समिति, **गाजा संकट तथ्य**
- ग्लोबल फायरपावर, **इजरायल सैन्य ताकत**
- इजरायली वायु सेना उपकरण
- इजरायल का परमाणु शस्त्रागार
- मिडिल ईस्ट मॉनिटर, **अमेरिका और जर्मनी हथियार वितरण**